सांध्य दैनिक 4PM

आपकी कीमत इसमें है कि आप क्या हैं, इसमें नहीं कि आपके पास क्या है।
-थॉमस ए. एडीसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 154 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 11 जुलाई, 2023

पैरा निशानेबाज रुद्रांश ने लगाया... 7 | राजस्थान के रण में योद्धा के बिना... 3 | दूसरों को डराने वाली सत्ता खुद... 2

ममता ने बंगाल में धो दिया भाजपा को, रिकॉर्ड वोटों से जीत

» तृणमूल ने कहा-बंगाल ने भाजपा को नकारा

» बीजेपी बोली-मतगणना में की जा रही गड़बड़ी

» 70 हजार से ज्यादा सीटों पर हुआ था मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने सभी विपक्षी दलों समेत भाजपा को मात देकर ग्राम पंचायत की 63 हजार 229 सीटों में से टीएमसी ने 1043 सीटों पर कब्जा कर लिया है। अभी मतदान जारी है। भाजपा ने मतगणना में धांधली का आरोप लगाया। वहीं तृणमूल कांग्रेस कहा है कि हार से बौखला गई है भाजपा। चुनावी परिणाम ने बता दिया है कि बंगाल की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को नकार दिया है।

हालांकि इस बीच हावड़ा में सुरक्षा बलों के द्वारा मतगणना केंद्र में जबरन घुस रहे लोगों पर लाठीचार्ज करने का मामला सामने आया है। सोमवार को 16 जिलों के 696 बूथों पर हुए पुनर्मतदान के बाद आज नतीजे घोषित किए जा जा रहे है। सुबह आठ बजे से मतगणना जारी है। शुरुआती रुझानों में तृणमूल कांग्रेस (टीएसी) की आंधी में विपक्ष उड़ गया है। राज्य के ग्रामीण इलाकों की 73,887 सीट के लिए शनिवार को हुए मतदान में 5.67 करोड़ लोग मतदान करने के पात्र थे। मतगणना के दौरान कुछ जगहों से अशांति की भी खबरें हैं। हावड़ा जिले में मतगणना केंद्र में जबरन घुस रहे लोगों पर लाठीचार्ज करने का भी मामला सामने आया है। वहीं, भाजपा ने अपने उम्मीदवारों के एजेंटों को मतगणना केंद्रों में घुसने नहीं देने का आरोप लगाया है।

टीएमसी का 1043 सीटों पर कब्जा

3138 सीटों पर टीएमसी आगे

शुरुआती रुझानों में ग्राम पंचायत की 63 हजार 229 सीटों में से 3138 सीटों पर टीएमसी आगे है। वहीं, भाजपा 816, माकपा 672, कांग्रेस 218 और अन्य 839 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। टीएमसी ने 1043, भाजपा ने 183, माकपा ने 46, कांग्रेस ने 38 और अन्य ने 125 सीटों पर जीत दर्ज की है।

मतगणना में हो रही धांधली : लॉकेट

हुगली से बीजेपी सांसद लॉकेट चटर्जी ने टीएमसी पर मतगणना में धांधली का आरोप लगाया है। लॉकेट ने कहा कि धनियाखली विधानसभा में सुबह से हमारे बीजेपी के काउंटिंग एजेंट काउंटिंग सेंटर में मौजूद थे लेकिन जब उन्हें(तृणमूल कांग्रेस) पता चला कि बैलेट बॉक्स खुलने पर बीजेपी को ज्यादा वोट मिल रहे हैं तो सारे एजेंट को बाहर कर दिया गया और उसके बाद बाहरी लोग काउंटिंग सेंटर में घुस गए। महिलाओं के साथ मारपीट की गई, कार्यकर्ता के साथ मारपीट की गई। हमारी मांग है कि इस विधानसभा में फिर मतदान होने चाहिए।

बंगाल हिंसा पर क्यों नहीं बोलता विपक्ष : पात्रा

पश्चिम बंगाल में तीन चरणों में हुए पंचायत चुनाव के लिए मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच जारी है। भाजपा ने इस बीच चुनाव के दौरान हुई हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि बंगाल में पंचायत चुनाव की गिनती हो रही है और अब पंचायत चुनाव में 45 लोगों की जान जा चुकी है। विधानसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में 52 लोगों की जान गई थी। बंगाल में लोकतंत्र दम तोड़ रहा है। इस दौरान सिर्फ बीजेपी के कार्यकर्ताओं की ही हत्या नहीं हुई, अन्य पार्टियों के कार्यकर्ता भी इसमें शामिल हैं। अगर यह दृश्य बीजेपी शासित राज्य में देखने को मिला होता, तो हाहाकार मच गया होता। अब राहुल गांधी कहां हैं...? वह मोहब्बत की दुकान खोलने वाले थे, राज्य सरकार ने संवेदनशील बूथ की सही संख्या नहीं दी, जितने लोग मारे गए हैं, इसमें राज्य के जिम्मेदार लोग शामिल हैं, फायरिंग, बमबारी मतपेटी को जलाया जा रहा है।

अयोध्या के पास वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, ट्रेन के टूटे शीशे

» यूपी की कानून व्यवस्था को दिखाया आइना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की क़ानून व्यवस्था बहुत अच्छी है इसका एहसास आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को भी हो जायेगा। दो दिन पहले बड़े ज़ोर शोर से वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन गोरखपुर से किया था। दूसरे दिन ही लखनऊ से इस ट्रेन को आधे यात्री भी नसीब नहीं हुए क्योंकि किराया बहुत ज़्यादा था। यूपी वाले यह नुक़सान भी सहन कर लेते। पर आज जब यह ट्रेन अयोध्या के सोहावल इलाके से गुजर रही थी तभी इस पर पत्थर चलना शुरू हो गये।

ट्रेन की खिड़कियों के कई शीशे टूट गये। वैसे टीवी चैनलों पर तो आप सुनते ही रहते हैं कि यूपी की क़ानून व्यवस्था देश में सबसे बेहतर है। पर आज की घटना ने आइना दिखा दिया। गौरलब हो कि पीएम का सबसे ड्रीम प्रोजेक्ट वंदे भारत एक्सप्रेस देश के कई हिस्सों में चल रही है। उसी के तहत एके ट्रेन गोरखपुर से लखनऊ तक यह ट्रेन चलाई गई हैं।

इतनी महंगे किराये वाली ट्रेन की सुरक्षा पर भी सवाल

इतनी महंगे किराये वाली महंगी ट्रेन की सुरक्षा का अंदाजा इसी लगाया जा सकता दूसरे ही दिन इस ट्रेन पर पत्थर बरसा दिये गए। इस पथराव के बाद लोग यूपी में योग सरकार की कानून व्यवस्था को लेकर आक्राशित हैं। गोरखपुर-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस टिकट की कीमत एसी चेयर कार क्लास में एक यात्रा के लिए लगभग 795 रुपये और एक्जीक्यूटिव चेयर कार (ईसी) के लिए 1525 रुपये होगी। ज्ञात हो पिछले सप्ताह पूर्वोत्तर रेल विभाग अधिकारियों ने रेलवे ट्रैक का निरीक्षण भी किया था जिसकी खामियों को ठीक करने के निर्देश भी दिए गए थे। इस ट्रेन का ठहराव बस्ती, अयोध्या जंक्शन और अयोध्या कैंट स्टेशनों पर दो-दो मिनट का रहा। वंदे भारत एक्सप्रेस गोरखपुर रेलवे स्टेशन से सुबह 6 बजकर 5 मिनट पर लखनऊ के लिए रवाना हुई। 8 बजकर 15 मिनट इसका अयोध्या पहुंचने का समय है। लखनऊ रेलवे स्टेशन पर यह ट्रेन सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर पहुंचती है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में मचा बवाल

» मनी लॉन्ड्रिंग कानून लाने पर विपक्ष हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की 50 वीं बैठक को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष में टकराव हो गया है। बैठक के शुरू होने के साथ ही जीएसटी को पीएमएलए एक्ट में लाने के फैसले का भी विरोध शुरू हो गया है। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्य सरकारों ने जीएसटी काउंसिल की बैठक में केंद्र सरकार के इस फैसले का विरोध करने का फैसला किया गया है।

दिल्ली के विज्ञान भवन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन की अध्यक्षता में चल रही है। बैठक में जीएसटी की छह सालों की यात्रा को लेकर 50 बड़े कदम जो उठाये गए हैं उसे लेकर जीएसटी काउंसिल नाम से छोटी फिल्म जारी किया गया है साथ ही स्टॉम्प भी रिलिज किया गया है।

ये खतरनाक एक्ट : केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि केंद्र सरकार ने जीएसटी को भी पीएमएलए एक्ट के तहत प्रवर्तन निदेशालय के अधीन ला दिया है। अब अगर कोई व्यापारी जीएसटी नहीं देता तो जीएसटी उसे सीधे मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत गिरफ्तार करेगी और उसे बेल भी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो व्यापारी पूरा जीएसटी दे रहे उन्हें भी किसी प्रावधान में फंसाकर जेल में डाला जा सकता है।

केंद्र का तानाशाही फैसला : खेड़ा

कांग्रेस भी केंद्र सरकार के इस फैसले का विरोध कर रही है। कांग्रेस के मीडिया पब्लिसिटी डिपार्टमेंट के चेयरमैन पवन खेड़ा ने भी जीएसटी काउंसिल की बैठक जब चल रही है उसी दौरान ट्वीट किया कि जीएसटी को पीएमएलए के अधीन लाने से श्वष्ठ को किसी भी व्यापारी को गिरफ्तार करने का अधिकार मिल जाएगा। कांग्रेस पार्टी जीएसटी के सरलीकरण की वकालत करती आ रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के इस तुगलकी फरमान ने देश के करोड़ों व्यापारियों को परेशानी में डाल रही है। पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस डट कर विरोध करती है।

दूसरों को डराने वाली सत्ता खुद डरी : अखिलेश

बोले- स्वस्थ व्यंग्य और कटाक्ष पर भी भाजपा सरकार में स्थान नहीं

बीजेपी समाज को तोड़कर हिस्सा छीन रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि जिस देश-प्रदेश में स्वस्थ व्यंग्य और कटाक्ष के लिए स्थान न हो, वहां समझ लेना चाहिए कि दूसरों को डराने वाली सत्ता स्वयं डरी हुई है। मदर ऑफ डेमोक्रेसी की बात इस माहौल में बेमानी जुमला लगती है। देश के प्रमुखतम संसदीय क्षेत्र में लोकतंत्र का ये हाल है तो बाकी देश में क्या होगा। वाराणसी में महंगाई जैसे विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षण करने वाले सब्जी वाले को थाने में बैठाने पर कही।

यह बात ट्वीट के माध्यम से उन्होंने एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के गांव में लोग चारपाई पर मरीज को ले जाने के लिए मजबूर हैं। सपा सरकार में चलाई गई समाजवादी एंबुलेंस आज चल रही होती तो गांवों में ऐसे हालात न होते। तथाकथित डबल इंजन वालों की ये डबल विफलता है कि गांवों में न तो एंबुलेंस है और न ही सड़कें। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी समाज को तोड़ती है, बंटवारा करती है, उनकी हिस्सा छीन लेती है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रत्येक स्तर पर सिर्फ भ्रष्टाचार किया है। जलभराव से जनता परेशान है। बीजेपी

की क्या रणनीति है, कभी-कभी किसी को समझ नहीं आता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिल रहे थे। इस दौरान वहां उनके समर्थकों ने जहां भीम राव आंबेडकर का चित्र लहराया, वहीं पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक गठजोड़) के समर्थन में नारे भी गूंजे। अखिलेश ने उन्हें लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का संदेश दिया। एक निजी समारोह में उन्होंने कार्यकताओं से भी मिलने का समय निकाला। वह वहां कुल ढाई घंटे रुके। सपा के महाराष्ट्र के अध्यक्ष अबू आजमी ने बताया कि अखिलेश यादव के रूबरू होने से कार्यकर्ता काफी उत्साहित हुए। इसके परिणाम अगले चुनाव में देखने को मिलेंगे। अखिलेश ने कहा कि गाजियाबाद की कालोनियों में 12 फिट तक पानी भर गया है। कई अस्पतालों में वार्डों के अंदर तक पानी भर गया है। लखनऊ में कई इलाकों में जलभराव के हालात बन गए। पशुओं को चारा भी नसीब नहीं हो रहा है।

कासगंज के पीड़ित परिवार से मिलेगा सपा प्रतिनिधिमंडल

सपा का एक प्रतिनिधिमंडल 13 जुलाई को कासगंज जाकर आत्महत्या करने वाली नाबालिग बेटी के परिवारीजनों से मिलेगा। कासगंज के नगला मोतीनगर के भूप सिंह बंजारा की नाबालिग पुत्री के साथ हुए बलात्कार पर पुलिस की ओर से उचित कार्यवाही न किए जाने का आरोप है। इससे क्षुब्ध होकर पीड़ति ने आग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। प्रतिनिधिमंडल में विधायक अताउर्रहमान समेत प्रमुख नेता शामिल होंगे। उधर, समाजवादी सैनिक प्रकोष्ठ के पूर्व सैनिकों ने प्रदेश भर में जिलेवार मासिक बैठक का आयोजन किया। इसमें नए प्राथमिक सदस्य बनाने के साथ उन्हें सैनिक प्रकोष्ठ की कैप के साथ सम्मानित किया गया।

हिंसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : राज्यपाल बोस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान कई जगहों से हिंसा की खबरें आ रही हैं। इस पर राज्य के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने हिंसा फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा है कि हिंसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि जो लोग हिंसा करते हैं, उन्हें ऐसी सजा दी जाएगी कि वे अपने पैदा होने वाले दिन को कोसेंगे।

राज्य में पंचायत चुनाव के लिए मतदान के दौरान राज्यव्यापी हिंसा हुई है। इसे लेकर राज्यपाल ने एक दिन पहले दिल्ली में गृहमंत्री शाह के साथ मुलाकात भी की थी। वहीं अब उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से उन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। राज्यपाल ने कहा कि जो लोग राजनीतिक नियंत्रण कक्ष में बैठते हैं और मैदान में गुंडों को अपने रिमोट से कंट्रोल करते हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। हिंसा नई पीढ़ी के भविष्य को प्रभावित कर रही है। जो लोग हिंसा करते हैं, उन्हें ऐसी सजा दी जाएगी कि वे अपने पैदा होने वाले दिन को कोसेंगे। सभी अधिकारी गुंडों और कानून तोड़ने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि हम बंगाल को नई पीढ़ी के रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाएंगे। उन्होंने कहा कि बंगाल में बढ़ती हिंसा के खिलाफ लगातार लड़ाई जारी रहेगी। गुंडे और कानून तोड़ने वालों से सभी अधिकारी सख्ती से पेश आएंगे।

यूसीसी का मतलब समान कानून और अधिकार है : उमर अब्दुल्ला

बोले-हिंदू, सिख और दलित किसी को न मिले छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर देशभर में मचे बवाल के बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि इसमें सभी धर्मों और जातियों के लिए समान कानून होना चाहिए और किसी के लिए छूट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह यूनिफॉर्म सिविल कोड है इसलिए सबके लिए कानून और अधिकार समान होना भी जरूरी है, वरना लगेगा कि किसी खास समूह या समुदाय को निशाना बनाकर इसे लागू किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस समय देश में यूसीसी का शोर है। एक पक्ष इसके फायदे गिनवाकर इसे लागू करने की पैरवी में लगा है तो वहीं एक वह पक्ष है जो इसको लागू होने से रोकने

के लिए इसकी कमियां बता रहा है। उमर ने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा कि यूसीसी में सभी धर्मों और जातियों के लिए समान कानून होने चाहिए, न ही कोई छूट होनी चाहिए, फिर वह हिंदू, सिख, ईसाई, दलित या कोई भी हो। नहीं तो लगेगा कि इसे खास समुदाय और मुसलमान के लिए लाया जा रहा है।

यूसीसी पर गलतफहमी के शिकार न बने

आठवले बोले-2024 का लोकसभा चुनाव मोदी ही जीतेंगे और वे फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नासिक। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने एक बयान जारी किया जसमें उन्होंने दवा किया विपक्षी दल कहते रहते है कि उनके पास प्रधानमंत्री पद के लिए कई चेहरे हैं। लेकिन इस पद के लिए सबसे उपयुक्त चेहरा प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी ही हैं। सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्री ने जोर देकर कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी ही जीतेंगे और वे फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

रामदास आठवले ने कहा कि जनता हमारे साथ है। उन्होंने समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए कहा कि मुसलमानों को इस कानून को लेकर

गलतफहमी का शिकार नहीं होना चाहिए। बाबा साहेब आंबेडकर का विचार था कि सभी के लिए एक समान सिविल कोड होना चाहिए। इस देश में सभी नागरिकों को समान भाव से देखा जाना चाहिए। गौरतलब है कि उन्होंने बताया कि यह कानून हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए भी बेहद जरूरी है। उनकी पार्टी इस कानून का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई दोस्त और दुश्मन नहीं होता है। वह 12-13 सालों से भाजपा और अविभाजित शिवसेना के साथ भी रहे हैं। वहीं इसके अलावा, वो राकांपा सुप्रीमो शरद पवार के साथ भी काम कर चुके हैं।

संविधान को ही बदलवाना चाहती है भाजपा : खाबरी

प्रयागराज। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने आलोपीबाग स्थित पटेल सेवा संस्थान में संविधान बचाओ संकल्प सभा में कहा कि आज देश की जनता को संविधान बचाने के लिए आगे आना चाहिए। आरोप लगाते हुए कहा की देश में मोदी सरकार भारत के संविधान को ही बदलना चाहती है। नरेन्द्र मोदी व अमित शाह अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग को मिल रहे आरक्षण को खत्म कर देना चाहते हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि देश की जनता को संविधान बचाने के लिए आगे आना चाहिए।

जल जमाव होने पर अधिकारी होंगे जिम्मेदार

वर्षा के बाद सियासत हुई तेज

केजरीवाल ने जल बोर्ड, नगर निगम और बाढ़ प्रशासन के अधिकारियों के साथ की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ के बाद सियासत भी तेज हो गई है। भाजपा व कांग्रेस के निशाने पर आप सरकार आ गई है। उधर दिल्ली में जलजमाव की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली नगर निगम और बाढ़ प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सभी अधिकारियों को बाढ़ वाले इलाकों में उपस्थित रहने को कहा गया है। सरकार ने साफ कर दिया है कि जल जमाव होने पर अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

जलजमाव वाली एरिया में ज्यादा पंप लगाकर जल्द से जल्द पानी निकासी की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। दिल्ली नगर निगम ने इस साल नालों की सफाई और जलजमाव को रोकने के नाम पर 10 करोड़ से ज्यादा धनराशि खर्च करने का दावा किया है। दिल्ली सरकार अकेले नजफगढ़ नाले की साफ-सफाई पर प्रति वर्ष 11 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करती है। पिछले सप्ताह ही सौरभ भारद्वाज ने नजफगढ़ नाले का दौरा कर इसकी साफ-सफाई के काम का

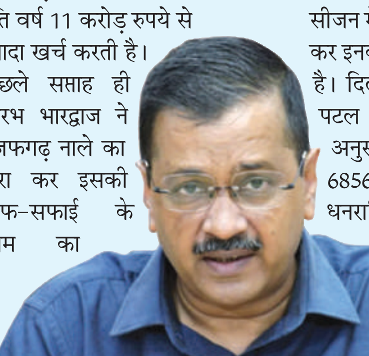

निरीक्षण किया था। दिल्ली नगर निगम के अंदर छोटे-बड़े कुल मिलाकर 20,159 नाले हैं। इसमें चार फीट की गहराई वाले 721 नाले भी शामिल हैं। दावा किया गया है कि अकेले इस सीजन में लगभग 10 करोड़ रूपये खर्च कर इनकी सफाई का काम पूरा हो गया है। दिल्ली सरकार द्वारा विधानसभा पटल पर रखी गई जानकारी के अनुसार 2017 से 2021 के बीच 6856 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। यह धनराशि नए एसटीपी बनाने और गंदे जल को यमुना में गिरने से रोकने के लिए आवश्यक ढांचा विकसित करना था।

नालों की सफाई पर 10 करोड़ खर्च

नालों की सफाई में भारी भ्रष्टाचार : भाजपा

दिल्ली भाजपा ने जलभराव को लेकर सोमवार को अरविंद केजरीवाल सरकार के विरुद्ध बड़ा प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार नालों की सफाई में 3000 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी नालों की सफाई नहीं करा पाई। इससे यह साफ होता है कि नालों की सफाई के नाम पर भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक केजरीवाल आरोप लगाते थे कि यदि दिल्ली की समस्या नहीं सुधर रही तो नगर निगम उन्हें मिल जाना चाहिए। लेकिन अब जब कि नगर निगम पर भी उनका कब्जा है, नालों की साफ-सफाई नहीं हो पा रही है। दिल्ली सरकार ने चांदनी चौक और मथुरा रोड को सबसे अच्छे तरह से विकसित करने का दावा किया था। लेकिन चांदनी चौक में घुटने से ऊपर तक जमा पानी बता रहा है कि साफ-सफाई के नाम पर केवल भ्रष्टाचार किया गया है। भाजपा ने इस मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब दिल्ली पानी में डूब रही थी, केजरीवाल अपना प्रचार करने के लिए हरियाणा घूम रहे थे।

इसी साल मार्च में अरविंद केजरीवाल ने छह सूत्रीय एजेंडा लागू कर यमुना की सफाई का दावा किया है।

राजस्थान के रण में योद्धा के बिना उतरेगी सेना

» भाजपा-कांग्रेस का सीएम के चेहरे पर सस्पेंस
» गहलोत-पायलट को अभी शांत रहने की हिदायत
» मोदी के सहारे बीजेपी की चुनावी नाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के रण के लिए भाजपा व कांग्रेस दोनों ने अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस जहां अपनी सरकार की पुन: वापसी की तैयारी कर रही है तो भाजपा अशोक गहलोत सरकार को नीचे उतारकर खुद गद्दी पर काबिज होने की फिराक में हैं। हालांकि अभी दोनों को सीएम चेहरा कौन होगा इसका खुलासा नहीं हुआ है।

फिर भी अंदरखाने से जो खबरे आ रही हैं उसमें ऐसा लगता है कि दोनों पार्टियां अभी केवल सिंबल पर ही चुनाव लड़ना चाहती हैं। राजस्थान में विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी-कांग्रेस ने मोर्चाबंदी शुरू कर दी है। लगातार बैठक, रैली का दौर जारी है। चाहे बीजेपी हो या कांग्रेस दोनों ने ही कहा कि चुनाव के बाद मुख्यमंत्री चुना जाएगा।

कांग्रेस बिना चेहरे के लड़ेगी चुनाव

कांग्रेस ने अपनी हालिया दिल्ली बैठक के बाद ऐलान किया है कि पार्टी बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में उतरेगी। यह घोषणा एक चौंकाने वाली बात है क्योंकि वर्तमान सीएम अशोक गहलोत पार्टी की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वहीं सचिन पायलट के नेतृत्व वाला प्रतिद्वंद्वी खेमा उम्मीद कर रहा था कि उनके नेता को सीएम चेहरा घोषित किया जाएगा। पार्टी आलाकमान के एक बयान से जहां दोनों खेमों की बोलती बंद हो गई है, वहीं कई नेताओं का दावा है कि यह पायलट खेमे की जीत है। परोक्ष रूप से यह गहलोत के लिए फिलहाल चुप रहने का संदेश है। उधर बीजेपी में भी सीएम पद को लेकर स्थिति ज्यादा अलग नहीं है। जानिए पूरा मामला। पहले बात कांग्रेस की करते हैं, जहां केंद्रीय नेतृत्व के फैसले पर सूबे में चर्चा का दौर जारी है। कांग्रेस के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अगर आप सरकार में हैं तो पार्टी नेता आप पर और आपके नेतृत्व पर भरोसा करता है। जब पार्टी नेतृत्व को आप पर इतना भरोसा है तो अगले चुनाव में आपके चेहरे को सीएम का चेहरा क्यों नहीं बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि पार्टी आपके प्रदर्शन को लेकर सशंकित है।

पीएम मोदी को आगे करके बीजेपी उतरेगी मैदान में

इस बीच, विपक्षी बीजेपी ने पहले ही घोषणा कर दी है कि पार्टी बिना सीएम चेहरे के चुनाव में उतरेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे और उनकी योजनाओं पर चुनाव लड़ेगी। दरअसल, रेगिस्तानी राज्य में दोनों पार्टियों में कई समानताएं हैं। राजस्थान में 2018 में अपनी सरकार के गठन के बाद से ही कांग्रेस अंदरूनी गुटबाजी को लेकर सुर्खियां बटोरती रही है। ऐसा ही कुछ हाल बीजेपी का भी है जहां पार्टी गुटबाजी से निपटने में जुटी है। जहां कांग्रेस में झगड़ा गहलोत-पायलट खेमे तक सीमित है, वहीं बीजेपी में यह अलग-अलग खेमों में बंटा हुआ है, क्योंकि सीएम बनने की चाह रखने वालों की लंबी सूची है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि इसलिए पार्टी सीएम चेहरे का नाम बताने से कतरा रही है।

कांग्रेस बेवकूफ बना रही है : बीजेपी

बीजेपी के वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस ने लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए इस चुनाव में बिना सीएम फेस उतरने की घोषणा की है। पिछली बार उन्होंने गुर्जरों के वोट लेने के लिए पायलट को चेहरा बनाया था। इस बार फिर भ्रमित करने के लिए उन्होंने फिर बिना सीएम फेस के उतरने की घोषणा की है। मतदाताओं को यह संदेश देने के लिए कि पायलट सीएम हो सकते हैं और दूसरों के लिए कि गहलोत ही सीएम हो सकते हैं। हालांकि, इस बार का चुनाव खराब कानून-व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अपराध, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर लड़ा जाएगा। लोग वास्तविकता जानते हैं और कांग्रेस तथ्यों को छिपाना चाहती है और इसलिए वे चेहराविहीन हो रहे हैं।

असमंजस में कार्यकर्ता

वहीं कांग्रेस और बीजेपी दोनों पार्टियों के फेसलेस होने की रणनीति ने पार्टी कार्यकर्ताओं को भ्रमित कर दिया है। जहां कांग्रेस नेता असमंजस में हैं कि उन्हें किस खेमे में जाना चाहिए, वहीं जमीनी स्तर के कार्यकर्ता और भी अधिक भ्रमित हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जिला पीसीसी कार्यालयों में प्रमुख पद खाली पड़े हैं। ऐसी ही दुर्दशा बीजेपी की है जहां नेताओं का झुकाव विशेष खेमों की ओर है और इसलिए पार्टी एकजुट चेहरा पेश करने में विफल हो रही है। हाल ही में कोटा में वसुंधरा राजे के वफादार प्रह्लाद गुंजल की ओर से बुलाई गई रैली में पार्टी के दिग्गज नेता नजर नहीं आए। वहीं बीजेपी कोर कमेटी की बैठक में भी यही स्थिति थी जब राजे अनुपस्थित थीं जबकि अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

भाजपा के खिलाफ स्टालिन ने खोला मोर्चा

» द्रमुक ने बीजेपी को रोकने की बनाई रणनीति
» मोदी-शाह-नड्डा ने भी लगाई चुनावी निगाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा के हाथ से जब से कर्नाटक की सत्ता गई है वह दक्षिण के अन्य राज्यों में पांव रखने का प्रयास कर रही है। इसी के मद्दे नजर भाजपा के दिग्गज तेलंगाना, आंध्रप्रदेश व तमिलनाडु में कई बार दौरे लगाकर वहां की क्षेत्रीय पार्टियों को कुछ को कोसने व कुछ को पुचकारने में लगी हुई है।

इसलिए कभी वह जगनमोहन रेड्डी तो कभी चंद्रबाबू नायडू पर डोरे डालने में लगी है। वहीं तमिलनाडु में वह दिवंगत जयललिता की पार्टी के साथ गलबहियां कर रही है इसको लेकर वहां के मुख्यमंत्री स्टालिन हमलावर है।

विपक्ष के बैठक से पीएम मोदी नाराज : स्टालिन

एमके स्टालिन ने कहा कि मोदी सरकार का विरोध करते हुए अगर उनकी पार्टी को किसी प्रकार के खतरे का सामना करना पड़े तो भी उन्हें किसी बात की फिक्र नहीं होगी। कर्नाटक में विपक्षी दलों की प्रस्तावित अगली बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि इस बैठक से पीएम मोदी नाराज हैं। बता दें कि 17 और 18 जुलाई को विपक्षी दलों की बैठक कर्नाटक में होने वाली है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बार फिर भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार का विरोध करते हुए अगर उनकी पार्टी को किसी प्रकार का संकट भी आ जाए तो भी उन्हें किसी बात की फिक्र नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा मोदी सरकार के खिलाफ बोलते हुए उनकी सरकार पर भी किसी तरह का खतरा आ जाए तो भी घबराने की जरूरत नहीं। चेन्नई में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लेते हुए उन्होंने मोदी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या साल 2014 और 2019 में पीएम मोदी द्वारा किए गए एक भी चुनावी वादे अभी तक पूरे हुए हैं? उन्होंने भाजपा को घेरते हुए कहा कि पीएम मोदी ने देश की जनता को भरोसा दिलाया था भाजपा शासन में हर नागरिकों के खातों में 15 लाख आएंगे। क्या उन्होंने देश के सभी नागरिकों को 15000 या 15 रुपये तक दिए?कुछ दिनों पहले बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी नेताओं की बैठक हुई थी। इस बैठक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश के लिए एक अच्छा भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सभी विपक्षी दल हाल ही में पटना में एक साथ आए।

हिंदुत्व का एजेंडा बढ़ाते हैं राज्यपाल: सिब्बल

राज्यपाल सांसद कपिल ने सिब्बल ने कहा कि राज्यपाल विपक्ष शासित राज्यों में हस्तक्षेप करते हैं और हिंदुत्व का एजेंडा बढ़ाते हैं। सिब्बल ने यह बातें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की तरफ से राज्यपाल आरएन रवि को हटाने की मांग पर कही। गौरतलब है कि स्टालिन ने राज्यपाल को हटाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने राज्यपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की राज्यपाल आरएन रवि को हटाने की मांग का समर्थन किया है। सिब्बल ने कहा कि विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपाल हस्तक्षेप करते हैं और सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करते हैं गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लिखे पत्र में स्टालिन ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल रवि सांप्रदायिक नफरत भड़काते हैं। वे तमिलनाडु की शांति के लिए खतरा हैं। सीएम ने अपने पत्र में जोर देकर कहा कि राज्यपाल अपने व्यवहार और कार्य के चलते पद पर बने रहने के योग्य नहीं हैं। उन्हें पद से हटाया जाना उचित होगा। स्टालिन ने राज्यपाल पर तमिलनाडु विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी प्रदान करने में अनावश्यक देरी करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल भ्रष्टाचार का आरोप झेल रहे अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्रियों के खिलाफ मामलों को मंजूरी देने की भी अनुमति नहीं दे रहे हैं। इस पूरे मामले पर बोलते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि आंबेडकर ने राज्यपालों को लेकर कहा था कि उनमें प्रशासन में हस्तक्षेप करने की कोई शक्ति नहीं होगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया। विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपाल हिंदुत्व एजेंडा रखते हैं, सरकार को अस्थिर करते हैं, उसके मामले में हस्तक्षेप करते हैं और नफरत भड़काते हैं। स्टालिन का रवि को हटाने के लिए कहना सही है। यूपीए एक और दो के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और समाजवादी पार्टी के समर्थन से एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने हाल ही में अन्याय से लड़ने के उद्देश्य से एक गैर-चुनावी मंच इंसाफ बनाया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चुनावी हिंसा लोकतंत्र के लिए खतरा

> खासकर इसलिए भी कि इसकी आशंका पहले से जाहिर की जा रही थी और सभी संबंधित एजेंसियों के पास इसे रोकने के लिए योजना बनाने और उन पर सही ढंग से अमल की तैयारी करने का काफी वक्त था। इसलिए हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद अगर केंद्रीय सुरक्षा बलों की समय पर सही ढंग से तैनाती नहीं हो सकी तो इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए कि गड़बड़ी कहां और किस तरह की हुई।

चुनावी हिंसा होना कोई नई बात नहीं है पर इसको रोकने का भी कुछ इंतजाम करना होगा। भारत के लगभग कई राज्यों इस तरह की घटनाएं होती हैं। ऐसी हिंसके झड़पें हालांकि पंचायत चुनाव में ज्यादा देखने को मिलती है। सरकारों को इसे गंभीरता से लेना होगा ताकि ऐसी घटनाएं कम हो सकें। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों में राज्य में बड़े पैमाने पर हिंसा की घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं की गंभीरता को समझने के बजाय तमाम राजनीतिक दल एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का खेल खेल रहे हैं। चुनाव आयोग भी जिला प्रशासन को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है। जैसा कि लग रहा था, पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों के दौरान बड़े पैमाने पर हुई हिंसा के बाद परस्पर दोषारोपण का खेल शुरू हो चुका है। तमाम पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप लगा रही हैं। राज्य चुनाव आयुक्त भी इसमें पीछे नहीं रहे। वह जिला प्रशासन को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि चुनावों के दौरान ऐसी हिंसा बेहद गंभीर और चिंताजनक है।

खासकर इसलिए भी कि इसकी आशंका पहले से जाहिर की जा रही थी और सभी संबंधित एजेंसियों के पास इसे रोकने के लिए योजना बनाने और उन पर सही ढंग से अमल की तैयारी करने का काफी वक्त था। इसलिए हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद अगर केंद्रीय सुरक्षा बलों की समय पर सही ढंग से तैनाती नहीं हो सकी तो इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए कि गड़बड़ी कहां और किस तरह की हुई। मगर फिर भी न तो इस मुद्दे को तात्कालिक नजरिए से देखा जा सकता है और न ही महज कानून व्यवस्था की समस्या के रूप में। हिंसा इस राज्य के राजनीतिक जीवन का एक तरह से अभिन्न हिस्सा बन गया है। कोई भी राजनीतिक दल इससे अछूता नहीं है। एक समय में बिहार जैसे राज्य चुनावी हिंसा का पर्याय माने जाते थे। लेकिन धीरे-धीरे वहां भी हालात बदले और अब चुनावी हिंसा अपवादस्वरूप ही देखने को मिलती है। पर बंगाल में स्थिति लगभग जस की तस बनी हुई है। सरकार बदलने का भी कोई असर इस मामले में नहीं दिखा। इसी सदी की बात करें तो 2003 में हुए पंचायत चुनाव असाधारण हिंसा के लिए जाने गए। वोटिंग के दिन 40 लोग मारे गए थे। तब वहां वाम दलों का शासन था। लेकिन 2011 में राज्य में सरकार बदल जाने के बाद भी चुनावों में जोर-जबर्दस्ती का ट्रेंड नहीं बदला। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी यही स्थिति रहती है। राज्य में 2019 के लोकसभा चुनावों में 9 और 2021 के विधानसभा चुनावों में 16 मौतें दर्ज हुई थीं। बेशक सत्ता में टीएमसी है, इसलिए हिंसा रोकना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शुचिता से धन अर्जन में ही जीवन का सुख

धर्मदेव विद्यार्थी

मनुष्य जीवन का प्रारंभ परिवार से होता है। समाज और राष्ट्र की प्रथम इकाई परिवार है। परिवार व्यक्तियों से ही बनता है। लेकिन यदि परिवार की नीव व्यक्ति ही सुदृढ़ न हो तो परिवार भी सुदृढ़ नहीं बन सकता वहीं समाज और राष्ट्र भी सुदृढ़ नहीं होंगे। आश्चर्य की बात है। परिवार में रहकर ही परंपरागत रूप से व्यक्ति सदव्यवहार व सदगुण आदि सीखता है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जीवन को 16 संस्कारों में बांटा गया है जिसमें सर्वप्रथम गर्भाधान संस्कार है अर्थात उत्तम संतान उत्पत्ति कैसे की जाए? बालक को संस्कारवान, धार्मिक और चरित्रवान कैसे बनाया जाये? लेकिन ऐसे प्रश्नों का प्रशिक्षण देने का कहीं प्रबंध नहीं है। परिणाम यह कि समाज की प्रथम इकाई परिवार प्रतिदिन कमजोर होती जा रही है। शतपथ ब्राह्मण का वचन है 'मातृमान, पितृमान, आचार्यमान, पुरुषों वेद' अर्थात् माता-पिता और आचार्य जब ज्ञानवान हों तभी मनुष्य ज्ञानवान होता है।

ज्ञान शिक्षा से प्राप्त होता है। ऐसे में जब परिवार का ताना-बाना बिखर जाने से अनेक रिश्ते कमजोर या खत्म हो गए हैं तो सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं का दायित्व बढ़ जाता है। परस्पर प्रेम भाव संयुक्त परिवार प्रणाली में मौजूद था परंतु एकल परिवार प्रणाली में इसका अभाव है। यह सरकार और समाज की संयुक्त नीति के जरिये संभव है। इसलिए समाज की प्रथम इकाई परिवार को स्नेह और सामंजस्य के से मजबूत करना आवश्यक है। जीवन का दूसरा स्तंभ शिक्षा है जिससे परिवार सबल होता है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से कुछ बिंदुओं को पुष्ट करने का प्रयत्न किया गया है तथापि यह पर्याप्त नहीं है। ऋषियों की मान्यता है कि बालक के पैदा होने से 5 वर्ष तक का समय अत्यंत संवेदनशील होता है परंतु अधिकतर माता-पिता बच्चे को बुद्धिहीन जानकर असंतुलित व्यवहार करते हैं जिसका कुप्रभाव पड़ता है। शिक्षा विद्या प्राप्त करने का माध्यम है परंतु हमने शिक्षा को ही विद्या मान लिया है। वहीं शिक्षा का माध्यम क्या हो व शिक्षा किस भाषा में दी जाए यह प्रश्न भी उलझा हुआ है। दरअसल मुगलों और अंग्रेजों के शासनकाल के पश्चात भारतीय शिक्षा का अधोपतन हो गया।

मैकाले की शिक्षा नीति के परिणामस्वरूप बालक साहित्य, हस्त कला व शिल्प कला, संगीत, गणित, विज्ञान व ज्योतिष तथा अध्यात्म शिक्षा में विशेष उपलब्धि नहीं प्राप्त कर पाए।

इसकी पूर्ति के लिए डीएवी संस्थाओं सहित अन्य अनेक संस्थाओं ने प्रयत्न किया परंतु मौजूदा तंत्र में भारतीय विद्या को प्रकाशित करने का सुव्यवस्थित कार्य नहीं कर पाए। शिक्षा का उद्देश्य मानवीय गुणों का विकास करना है। 'सा विद्या या विमुक्तए'- जो विद्या हमें निर्णय लेने में स्वतंत्र, आत्मनिर्भर बनाए वही विद्या है। कोरा किताबी ज्ञान विद्या नहीं है। लेकिन अंग्रेजों ने शिक्षा का उद्देश्य नौकरी प्राप्त करना रखा। लेकिन कृषि, गोपालन, वस्त्र निर्माण, भवन निर्माण, केश कर्तन, पाक विद्या जैसे घरेलू उत्पादन में पारंगत होने के बावजूद हमारा युवा आत्मनिर्भर नहीं। असल शिक्षा का उद्देश्य छात्र की कर्मठता, मानवीयता आदि गुण होने चाहिए। वेद शास्त्रों में दी गई धर्म की परिभाषा के मुताबिक, धर्म शब्द का अर्थ है धारण करना अर्थात ऐसे नियम और सिद्धांत जिनसे प्राणी मात्र का कल्याण हो उनका पालन करना। वस्तु का जो स्वभाव है वही धर्म है जैसे अग्नि का स्वभाव उष्णता। ऐसे ही विद्यार्थी का धर्म विद्या प्राप्त करना, अध्यापक का धर्म अध्यापन करना, कर्मचारी का धर्म कर्म करना इत्यादि है। यह सभी मत-संप्रदायों के लिए समान है। भारतीय संस्कृति में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चार पुरुषार्थ बताए गए हैं। उक्त तीन का आधार धर्म ही है। पूजा पाठ या परमात्मा की उपासना में जीवन लगाना ही धर्म नहीं है वहीं कोरी भौतिकता या केवल धन कमाना भी धर्म नहीं है। केवल मनुष्य ही मोक्ष अर्थात परम आनंद की इच्छा रखता है। यह आनंद मृत्यु के पश्चात नहीं जीवित रहते हुए ही प्राप्त करना है। इसके लिए कर्म करना अनिवार्य है। हमारा कर्म सत्य आचरण, परोपकार के निमित्त, सर्व कल्याणकारी सबकी उन्नति की वृद्धि करने वाला हो यही धर्म है। धर्म जीवन की समग्र दृष्टि है। माता-पिता आदि पारिवारिक, व्यक्तिगत, सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक, साहित्य, आध्यात्मिक, इत्यादि विभिन्न प्रकार के कर्म सहित कर्तव्य ही धर्म है।

भारतीय परंपरा में अर्थ वह है जो धर्म से प्राप्त किया जाए। परिश्रम से जो धन हम अर्जित करते हैं वही अर्थ है। चोरी, लूट, शोषण इत्यादि से प्राप्त धन अर्थ नहीं है। भारतीय विद्वानों ने अर्थ संग्रह ,वृद्धि और खर्च के लिए चार पुरुषार्थ का उल्लेख किया है— प्रथम अप्राप्त की प्राप्ति की इच्छा, द्वितीय प्राप्त धन की रक्षा की इच्छा, तृतीय धन की वृद्धि और चतुर्थ धन का खर्च।

शोध-अनुसंधान से ही आत्मनिर्भर बनेगा देश

बृजेश कुमार तिवारी

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नेशनल रिसर्च फाउंडेशन विधेयक 2023 का अनुमोदन करते हुए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) बनाने की राह प्रशस्त की है, जल्दी ही इसे संसद में पेश किया जाएगा। वहीं एनआरएफ के रणनीतिक मार्गदर्शन हेतु 15-20 नामचीन अनुसंधान एवं विकास पेशेवरों की एक संचालन समिति स्थापित की जाएगी। एनआरएफ के लिए 2023-24 से लेकर 2027-28 के बीच पांच सालों में 50 बिलियन रुपये उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसमें सरकार की हिस्सेदारी 14 बिलियन रुपये होगी वहीं बाकी धन उद्योगों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों व कल्याण-चंदा इत्यादि से आएगा। प्रस्तावित नेशनल रिसर्च फाउंडेशन भारत की 1,074 यूनिवर्सिटियों और 161 अनुसंधान संस्थानों को खोज एवं विकास कार्य में मदद देगा। इन संस्थानों में आईआईटी, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, एम्स और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजूकेशन एंड रिसर्च इत्यादि हैं।

दरअसल, अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) पर हमने अन्य देशों जितना ध्यान नहीं दिया। भारत में आर एंड डी मद में प्रावधान सकल घरेलू उत्पाद का महज 0.7 प्रतिशत है, जो कि वैश्विक औसत (1.8 फीसदी) से कहीं कम है और विकसित राष्ट्रों से तो बहुत नीचे है। जबकि इस मद में अमेरिका 2.9 प्रतिशत, चीन 2.2 फीसदी और इस्राइल 4.9 प्रतिशत खर्च करते हैं। नीति आयोग और इंस्टिट्यूट ऑफ कम्पीटीटिवनेस द्वारा करवाए अध्ययन के मुताबिक, विकास एवं अनुसंधान मद में भारत का निवेश दुनियाभर में न्यूनतम है। यूनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रति दस लाख व्यक्तियों के पीछे 366 अनुसंधानकर्ता का औसत है, जबकि ब्राजील का 1,366 चीन का 2,366 व जर्मनी का 6,995 है और सबसे ज्यादा औसत आईसलैंड (10,073) का है। यूनेस्को इंस्टिट्यूट ऑफ स्टैटिस्टिक्स की रिपोर्ट कहती है कि भारत में प्रति दस लाख व्यक्तियों के पीछे केवल 253 वैज्ञानिक हैं जो कि जनसंख्या के हिसाब से किसी अन्य विकसित राष्ट्र की तुलना में कहीं कम है।

विकसित मुल्कों में अनुसंधान एवं विकास मद में निजी क्षेत्र का योगदान 70 फीसदी होने के मुकाबले भारत में यह 40 प्रतिशत से भी कम है। अनुसंधान एवं विकास के लिए खर्च के मामले में विश्व की चोटी की 2500 कंपनियों की सूची में भारत से केवल 26 नाम हैं। ऐसी 301 कंपनियों के साथ चीन सबसे ऊपर है। जैसे कोई पानी वाला जहाज नए समुद्री रास्तों की थाह लेने की बजाय गोल-गोल घूमने लगे, वैसे ही यदि कोई मुल्क अनुसंधान एवं विकास मद में निवेश करने में असफल रहता है तो उसे आर्थिक अस्थिरता सहनी पड़ती है। इस्राइल ने यह कर दिखाया है कि एक छोटा देश चाहे तो अनुसंधान एवं विकास में निवेश करके टिकाऊ विकास प्राप्त कर सकता है। इस्राइली सरकार ने नए शोध कार्यों की, विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्यमों में, वित्तीय मदद कर उल्लेखनीय भूमिका निभाई है, साथ ही वहां पर अनुसंधान के लिए सुचालित तंत्र है, जिसके अवयवों में वेंचर कैपिटल, इन्क्युबेटर, विज्ञान व उद्योग जगत के बीच ठोस समन्वय और उच्च-गुणवत्तापूर्ण यूनिवर्सिटी शिक्षा है।

अनुसंधान एवं विकास बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे हमारी जिंदगी में सुधार लाते हैं। भारत अब एक श्रम-आधारित अर्थव्यवस्था से कौशल-आधारित आर्थिकी में रूपांतरित हो रहा है। कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय की स्थापना इस क्षेत्र को गति देने के मकसद से हुई थी। उम्मीद है डिजिटल यूनिवर्सिटी और गतिशक्ति यूनिवर्सिटी ज्ञान-युक्त अर्थव्यवस्था बनाने में मददगार होंगी। भारत सरकार ने स्टार्टअप्स, शिक्षा संस्थान और छोटे व्यवसायों को पेटेंट फीस में 80 फीसदी छूट देने का घोषणा की है। ऑनलाइन पेटेंट फाइलिंग फीस में 10 फीसदी छूट रखी गई है। 'विपो ग्लोबल इंडेक्स-2022' ने 132 देशों में भारत को 40वां स्थान दिया है। स्थिति में 2015 की तुलना में काफी सुधार हुआ है, पहले हम 81वें पायदान पर थे। 'अंकटैड टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन रिपोर्ट 2023' के अनुसार 158 देशों में भारत 46वें स्थान पर है। किसी मुल्क की अर्थव्यवस्था सही मायने में जबरदस्त बनाने के पीछे शक्ति का स्रोत दीर्घकालिक और ठोस ज्ञान आधारित तंत्र होता है। जितनी अधिक बौद्धिक संपदा होगी उतना ज्यादा रोजगार सृजन होगा। भारत में निजी कंपनियां अधिकांशतः अपना पैसा आरएंडडी मद की बजाय बिक्री और बेचने की युक्तियों पर लगाती हैं। यह एक वजह है कि क्यों भारतीय कंपनियां नूतन खोज नहीं कर पा रहीं और भारतीय उत्पादक विश्वस्तरीय चीजें नहीं बना पाते।

भारत के पास वैश्विक स्तर पर नूतन खोज अग्रणी बनने के तमाम जरूरी अवयव हैं, मसलन, एक जबरदस्त उपभोक्ता बाजार, विलक्षण प्रतिभाओं का अम्बार और रिवायती रूप से जुगाड़ बनाने में माहिर दिमाग। सिर्फ जरूरत है तो अनघड़ प्रतिभा को समुचित दिशा देकर तराशने की। डॉक्टरल रिसर्च के लिए प्रधानमंत्री फेलोशिप स्कीम एक अच्छी शुरुआत है लेकिन इसको विस्तार देने की दरकार है। सरकार को उन स्टार्टअप्स और व्यवसायों की मदद करनी चाहिए जो बेशक स्थानीय तौर पर काम-धंधे की सोचते हैं लेकिन वैश्विक प्रभाव की संभावना रखते हैं। दुनिया को माहिर मानव संसाधन प्रदाता बड़े मुल्कों में भारत भी एक है। किंतु नवीनतम तकनीक, ज्ञान-आधारित समाज के बिना कोई भी मुल्क 21वीं सदी में सफल नहीं हो सकता।

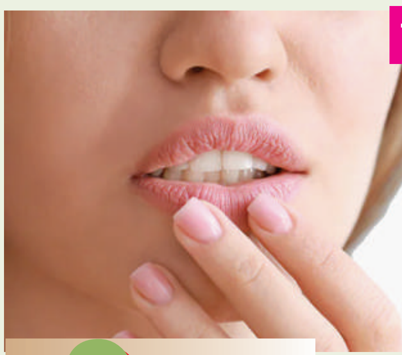

रूखे-सूखे होंठों में देता है राहत

सर्दी के मौसम में जब होंठ रूखे होने लगते हैं और उन पर पपड़ी जमने लगती है, तब उन्हें अंदर से नमी प्रदान करने के लिए आप घी का यूज कर सकती हैं। यह म्यूकस मेम्ब्रेन को आराम पहुंचाती है। घी से रोज मालिश करें क्योंकि इससे उनका कालापन भी दूर होता है।

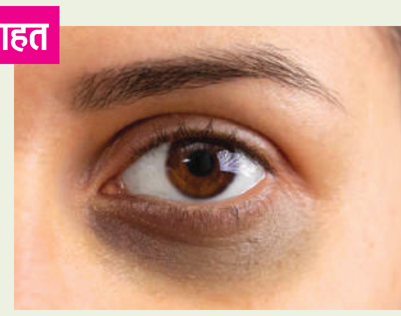

डार्क सर्कल्स हो जाएंगे गायब

आंखों के नीचे से डार्क सर्कल्स को गायब करने के लिए घी का इस्तेमाल रात को सोने वक्त करना चाहिए, तभी आपको मदद मिल सकती है। इसकी एक छोटी बूंद लें और उससे धीरे धीरे क्लॉक वाइज मालिश करें।

घी के आगे सब क्रीम हैं फेल

स्किन और बालों के लिए बस एक बूंद ही काफी

घी का अपना ही महत्व है। इसे चेहरे पर लगाइए या फिर बालों पर, यह आपको पूरा फायदा पहुंचाएगी। यह स्किन को चमका सकती है और घाव भरने में इसका कोई मुकाबला नहीं। यहां जानें इसके फायदे। घी भला किसके घर में प्रयोग नहीं होता, फिर चाहे वह खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए हो या फिर पूजा-पाठ के दौरान। हमारे बजुर्गों ने भी हमेशा से ही घी खाने पर जोर दिया है क्योंकि यह बेहद पौष्टिक होता है और इसे खाने से ताकत बढ़ती है। आयुर्वेद में भी घी का अपना ही महत्व है। ब्यूटिरिक एसिड की उपस्थिति के कारण घी एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। यह ए, ई, डी और के जैसे विटामिन का भी स्रोत है, जो हमारी स्किन को हेल्दी बनाए रखता है। घी में पित्त के संतुलन की क्षमता भी होती है, जो हमारी स्किन से जुड़ी बीमारियों में लाभदायक होता है।

फिशर के दर्द को करे दूर

बिगड़ती लाइफस्टाइल के चलते एनल फिशर की समस्याएं ज्यादा देखने को मिल रही हैं। यदि आपको पाइल्स की समस्या है तो आपको फिशर के दर्द से जरूर गुजरना पड़ता होगा। फिशर पर घी लगाने से घाव भरने में मदद मिलती है।

मॉइश्चराइजर की तरह करे काम

घी में विटामिन ए और फैटी एसिड पाया जाता है इसलिए यह नेचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है। घी का इस्तेमाल स्किन पर नहाने या शॉवर लेने से पहले या बाद में मॉइश्चराइजर की तरह करें। इससे स्किन की ड्रायनेस दूर होती है। आपकी स्किन घी को आसानी से सोख लेती है। यदि आप इसका इस्तेमाल रोज करते हैं, तो यह आपकी स्किन को रोजाना हाइड्रेट रखने में मदद करेगा। शरीर में प्राकृतिक रूप से सीबम स्रावित होता है जो कि स्किन हाइड्रेट रखता है। सीबम की कमी होने पर मॉइस्चराइजर की मदद से बाहरी रूप से त्वचा को नमी दी जाती है।

बाजार के कंडीशनर से ज्यादा फायदेमंद

बालों को धोने से ठीक पहले इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन जिन लोगों के बाद काफी ड्राय रहते हैं, वह इसका इस्तेमाल बाल धोने के बाद भी कर सकते हैं। घी में हेल्दी फैट पाया जाता है, जो बालों को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

स्किन से जुड़ी बीमारी में फायदेमंद

कहा जाता है कि इसमें घाव भरने के गुण होते हैं। इसका उपयोग एक्जिमा जैसी स्किन की बीमारी में मलहम के रूप में भी किया जाता है। घी का उपयोग स्किन पर कई प्रकार से किया जा सकता है।

हंसना मना है

पुराने छात्रों के मिलन समारोह में अध्यापक ने सभी छात्रों से पूछा, इस स्कूल में आपका कोई कड़वा अनुभव? एक छात्र बोला, मैं और मेरी वाइफ इसी स्कूल में मिले थे।

एक इंजीनियरिंग कॉलेज के सभी शिक्षकों को एक टूर पर ले जाने के लिए एक हवाई जहाज में बैठाया गया..!! जब सभी शिक्षक बैठ गए तो पायलट ने बड़ी ही खुशी से घोषणा की- आप सभी गणमान्य शिक्षकों को यह जान कर खुशी होगी कि जिस प्लेन में आप बैठे हैं, उसे आप ही के कॉलेज के होनहार विद्यार्थियों ने बनाया है!! बस फिर क्या था..!! इतना सुनते ही सभी शिक्षक इस डर से नीचे उतर गए कि कहीं उड़ान भरते ही विमान दुर्घटना ग्रस्त ना हो जाए!! लेकिन प्रिंसिपल साहब बैठे रहे!! यह देख पायलट उनके पास गया और उनसे पूछा-सर, सभी टीचर अपने विद्यार्थियों का नाम सुनते ही डर कर उतर गए लेकिन आप क्यों नहीं उतरे.. क्या आपको डर नहीं लग रहा है.. प्रिंसिपल ने दिल को छू जाने वाला जवाब दिया मुझे अपने कॉलेज के शिक्षकों से भी ज्यादा अपने विद्यार्थी पर भरोसा है। देख लेना यह प्लेन स्टार्ट ही नही होगा?

कहानी — घमंडी पर्वत

एक जंगल में एक बहुत विशाल पर्वत था। एक दिन उस विशाल पर्वत ने उस जंगल में रहने वाले जानवरों को देखा, जंगल को देखा और फिर खुद को देखा। उसे अपने आकार पर बहुत घमंड हुआ उसने कहा कि मैं इस जंगल में सबसे शक्तिशाली हूं, मैं ही तुम्हारा ईश्वर हूं। विशाल पर्वत की यह बातें सुनकर सभी जंगल में रहने वाले जानवरों को बहुत गुस्सा आया। घोड़े ने आगे बढ़कर कहा- ओ घमंडी पर्वत अपने आप पर इतना घमंड मत कर। एक क्षण में तुम्हें दौड़ कर पार कर सकता हूं, इतना कहकर घोड़े ने अपनी पूरी ताकत के साथ उस विशाल पर्वत को पार करने की कोशिश की लेकिन घोड़ा लड़खड़ा कर गिर गया। यह देखकर पर्वत दिल खोलकर हंसा, इसी तरह जंगल के अन्य जानवरों जैसे हाथी, ऊंट ,जिराफ सभी ने कोशिश की पर वे पहाड़ का कुछ भी बिगाड़ नहीं पाए अब सभी जानवरों को अपना दोस्त चूहा याद आया। फिर चूहा पर्वत के पास आया और उसने पर्वत को चुनौती दी। चूहे की बात सुनकर विशाल पर्वत ने चूहे का खूब मजाक उड़ाया। चूहे ने मुस्कुराते हुवे पर्वत में छेद बनाना प्रारंभ किया। अन्य चूहों ने भी पर्वत में छेद करना चालू कर दिया। यह देखकर पर्वत घबरा गया उसने सभी जानवरों से माफी मांगी। इस तरह पर्वत के घमंड को एक छोटे से चूहे ने तोड़ दिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें अपने ऊपर इतना घमंड नहीं करना चाहिए कि वह हम पर ही भारी पड़ जाए। हमारे पास जो शक्ति है उसका हमें दुरूपयोग नहीं करना चाहिए। बल्कि उसका मानव कल्याण के लिए सहयोग करना चाहिए। यही हमारे जीवन का लक्ष्य होना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। आपको किसी खास काम में सफलता मिल सकती है। किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर पर जा सकते हैं।

तुला

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपका मन किसी सामाजिक कार्यों की तरफ हो सकता है। लोगों के बीच आपकी तारीफ हो सकती है।

वृषभ

आज आपकी उलझनें कम हो सकती हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे। मानसिक अस्थिरता से बचें।

वृश्चिक

आज कोई आपको भड़काने की कोशिश भी कर सकता है। कार्यसफलता, आर्थिक लाभ और भाग्यवृद्धि का योग है। धर्मकर्म में रुचि बढ़ेगी।

मिथुन

भावनात्मक फैसलों के लिए बहुत अच्छा समय नहीं है, क्योंकि इस अवधि के दौरान आप जो भी निर्णय लेंगे, उसे पूरा करना मुश्किल होगा।

धनु

नए संपर्क और संचार व्यवसाय को एक नवीन दिशा प्रदान कर सकते हैं। आप अपने लक्ष्यों को वास्तविक जिम्मेदारियों के प्रकाश में स्वीकार करते हुए परिभाषित करेंगे।

कर्क

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको लाभ हो सकता है। ऑफिस के किसी काम में अधिक समय लग सकता है।

मकर

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं। आप काम की योजना तैयार कर सकते हैं। आपके आमदनी में बढ़ोतरी हो सकती है।

सिंह

आज आमदनी के नए-नए स्रोत उपलब्ध होंगे। आपकी मेहनत रंग लाएगी। संतान पक्ष से लाभ मिलने के योग हैं। पार्टनर की सेहत का ध्यान रखें।

कुम्भ

नए प्रेम-संबंधों के बनने की संभावना ठोस है लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। सेहत के प्रति सजगता महत्वपूर्ण है।

कन्या

छात्रों के लिए दिन शुभ रहेगा। छात्र प्रतियोगिताओं में अच्छा करेंगे और अपने इच्छित संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। पारिवारिक जीवन सुचारु रहेगा।

मीन

यह मिश्रित परिणामों की अवधि होगी। आप कार्यस्थल पर नई कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं। यह समय नई रणनीति और दृष्टिकोण अपनाने और केंद्रित रहने का है।

बॉलीवुड | मन की बात

अनपढ़ नेताओं वाले बयान पर काजोल ने दी सफाई

बगैर शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं द्वारा आज शासन किये जाने संबंधी अपने बयान से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ने के बाद अभिनेत्री काजोल ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि वह महज शिक्षा के महत्व को बता रही थीं। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'करण अर्जुन' और 'गुप्त' जैसी 1990 के दशक की हिट फिल्में देने वाली अभिनेत्री ने ट्विटर पर एक पोस्ट में कहा कि उनका इरादा अपने विचारों से किसी नेता का अपमान करना नहीं था। काजोल ने शनिवार शाम किये ट्वीट में कहा, मैं महज शिक्षा और इसके महत्व के बारे में बोल रही थी। मेरा इरादा किसी राजनीतिक नेता का अपमान करना नहीं था, हमारे पास कुछ महान नेता हैं जो देश को सही राह पर ले जा रहे हैं। हाल में, एक ऑनलाइन मीडिया पोर्टल को दिए साक्षात्कार में अभिनेत्री से पूछा गया था कि क्या यह दुखद नहीं है कि देश में इतनी प्रगति होने के बावजूद अब भी कुछ ऐसे विचार हैं जो महिलाओं को आगे नहीं बढ़ने दे रहे हैं। काजोल (48) ने अपनी आगामी सीरीज 'द ट्रायलः प्यार, कानून, धोखा'' के प्रचार के दौरान 'द क्विंट' को दिए साक्षात्कार में कहा था, भारत जैसे देश में बदलाव की रफ्तार धीमी है। यह बहुत, बहुत धीमी है क्योंकि हम अपनी परंपराओं और विचार प्रक्रियाओं से बंधे हुए हैं और बेशक इसका संबंध शिक्षा से है। आपके पास ऐसे नेता हैं जिनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि नहीं है। उन्होंने कहा था, मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन यह सच्चाई है कि हम पर ऐसे नेता शासन कर रहे हैं जिनमें से कई के पास कोई दृष्टि नहीं है, जो मुझे लगता है कि आपको शिक्षा से मिलती है, कम से कम एक अलग दृष्टिकोण मिलता है। इस साक्षात्कार की वीडियो क्लिप शनिवार को वायरल होने पर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग ने इन टिप्पणियों को लेकर काजोल की आलोचना की। सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने फिल्मों में करियर बनाने के लिए अभिनेत्री के स्कूल की पढ़ाई बीच में छोड़ने का जिक्र करते हुए कहा, स्कूल की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाली अभिनेत्री शिक्षा और अशिक्षित नेताओं पर उपदेश दे रही है। पहले अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करो, फिर कुछ बोलो।

करण संग सिल्वर स्क्रीन पर जलवा बिखेरेंगे विक्की

बॉलीवुड | मसाला

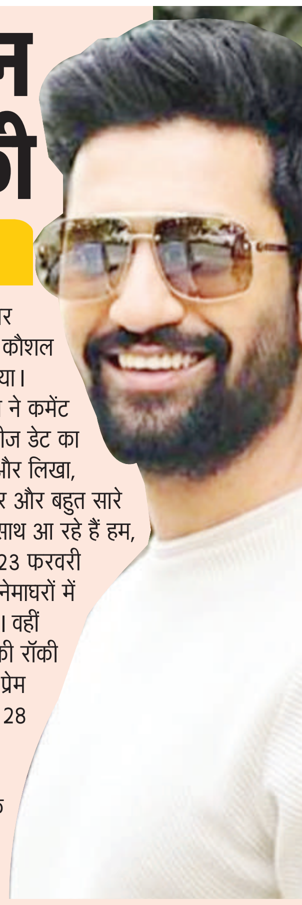

करण जौहर इन दिनों अपनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज की तैयारियों में जुटे हुए हैं। बीते दिनों इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जो फैंस को खूब पसंद आया। हालांकि इसे करण जौहर की पिछली फिल्मों का मैशअप भी कहा जा रहा है। फिल्म में आलिया-रणवीर की जोड़ी नजर आने वाली है। इस बीच करण जौहर ने अपने अगले प्रोजेक्ट का ऐलान कर दिया है। इतना ही नहीं रिलीज डेट भी बता दी है।

करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर अपनी अगली फिल्म का जोरशोर से ऐलान कर दिया है। करण ने बताया है कि ऐसी कई वजह हैं, जिसके कारण फिल्म उनके दिल के बेहद करीब है। विक्की कौशल स्टारर इस फिल्म का निर्देशन आनंद तिवारी करने वाले हैं। वहीं धर्मा प्रॉडक्शन के साथ मिलकर अमेजन प्राइम इसका निर्माण करेगा। इस फिल्म से करण जौहर हिंदी सिनेमा में एक और नई जोड़ी लॉन्च करने को तैयार हैं। पोस्ट शेयर करते हुए करण ने लिखा- विक्की कौशल के साथ एक बार फिर काम करने को लेकर उत्साहित हूं। उनको मैं न सिर्फ एक कलाकार के तौर पर पसंद करता हूं, बल्कि वह मुझे एक सम्मानित इंसान के तौर पर भी पसंद हैं। मैं उनको एक बार फिर से निर्देशित करने का बिल्कुल इंतजार नहीं कर सकता हूं।

हमने लस्ट स्टोरीज में धमाका किया था। एमी विर्क भी पावरहाउस हैं और प्यारी तृप्ति डिमरी कमर्शियल अवतार में हैं, जिनके गॉर्जियस अवतार ने फिल्म की खूबसूरती को हर जगह से बढ़ा दिया है, वह बेहद सॉलिड हैं। करण जौहर की इस पोस्ट पर अपने लिए इतना प्यार देखकर विक्की कौशल से रहा नहीं गया। विक्की कौशल ने कमेंट करते हुए रिलीज डेट का ऐलान किया और लिखा, बहुत सारे प्यार और बहुत सारे मनोरंजन के साथ आ रहे हैं हम, आप सभी से 23 फरवरी 2024 को सिनेमाघरों में मुलाकत होगी। वहीं करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी फिल्म 28 जुलाई के दिन सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए एकदम तैयार है।

कार्तिक-कियारा की फिल्म सत्यप्रेम की कथा ने कमाए 60 करोड़ रुपये

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी अभिनीत फिल्म सत्यप्रेम की कथा ने रिलीज के दसवें दिन बॉक्स ऑफिस पर 60.81 करोड़ रुपये की कमाई की। संगीत, रोमांस और ड्रामा से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता समीर विद्वांस ने किया है। साजिद नाडियाडवाला और 'नमाह पिक्चर्स' द्वारा निर्मित यह फिल्म 29 जून को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी तथा फिल्म ने छह जुलाई को 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था। अभिनेता कार्तिक आर्यन ने रविवार को फिल्म की कुल कमाई की जानकारी दी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, सिनेमाघरों में चल रहा है सत्यप्रेम की कथा। फिल्म में आर्यन, आडवाणी के अलावा गजराज राव, सुप्रिया पाठक, राजपाल यादव और शिखा तलसानिया जैसे कलाकार भी हैं।

29 जून को रिलीज हुई थी फिल्म

यह फिल्म 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। म्यूजिकल रोमांस ड्रामा में कार्तिक-कियारा लीड रोल में हैं। हिट हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 2 के बाद यह जोड़ी दूसरी बार पर्दे पर है।

अजब-गजब | पान पर अंदर चांदी तो बाहर लगा है 24 कैरेट सोना

लखनऊ का अनोखा पान, ब्रांडेड जूते और चश्मा बराबर है दाम

नवाबों के शहर लखनऊ में सबसे महंगा पान मिल रहा है। इसकी कीमत इतनी है कि ब्रांडेड जूते और ब्रांडेड चश्मा खरीदा जा सकता है। इस पान का नाम है गोल्ड पान। खास तरह के इस पान के अंदर चांदी, तो बाहर सोना होता है। सोने के ऊपर लगा हुआ केसर इसके स्वाद को और कई गुना बढ़ा देता है। इस पान की चर्चा इन दिनों लखनऊ में खूब हो रही है। इस पान को बनाया है मास्टर संजय कुमार चौरसिया ने। उन्होंने कोरोना काल में अपने कैटरिंग के धंधे के ठप पड़ जाने के बाद कुछ नया प्रयोग करने के बारे में सोचा और बना डाला गोल्ड पान। इस खास की कीमत 999 रुपये है।

इस शाही गोल्ड पान को बनाने में आधा घंटा लगता है। इसके ऊपर 24 कैरेट सोने की परत चढ़ी हुई है। सोना-चांदी और केसर के स्वाद के साथ जब यह पान खाने वाले के पेट में जाता है तो पाचन क्रिया को मजबूत करने के साथ-साथ यह बेहतरीन माउथ फ्रेशनर का भी काम करता है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आशियाना चौराहा स्थित राष्ट्रीय पान दरबार में आपको यह विशेष पान खाने के लिए मिलेगा। यहां के मालिक संजय ने बताया कि 27 सितंबर, 2022 में उन्होंने यहां इस दुकान की शुरुआत की थी। अब गोल्ड पान का स्वाद लखनऊ के लोगों की जुबान पर चढ़ चुका है। इसका स्वाद लोगों को पसंद आ रहा है। यही वजह है कि बच्चे, बड़े और बुजुर्ग सभी इस पान को शौक से खा रहे हैं। महिलाओं और लड़कियों को भी यह पसंद आ रहा है। इनके यहां पान के लिए स्पेशल डिब्बे तैयार कराए जाते हैं। यहां के ग्राहक 10 वर्षीय युवराज सिंह ने बताया कि उनको यहां का चॉकलेट पान पसंद है। वहीं, ग्राहक कामरान ने बताया कि उनकी मां और बहन यहां के सारे फ्लेवर खा चुकी हैं। वो खुद नवरत्न पान के दीवाने हैं। राष्ट्रीय पान दरबार दुकान में चॉकलेट पान, नवरत्न पान, मोदक पान, मीठा पान, रॉयल पान, मलाई पान, रेड चेरी पान, हैदराबादी पान, गुलाब पान, मोतीचूर चकनाचूर पान, सुल्तानी पान, जन्नत पान, कुल्फी पान, आइसक्रीम पान, ब्लैक फॉरेस्ट पान, चोकोबेरी पान, कुछ नहीं पान, बादामी पान, क्रंची पान, फ्रूटी पान, पिस्ताचो पान, कोहिनूर पान, हनी बादाम पान, ड्राई फ्रूट पान, अंजीर पिस्ता पान और ब्लूबेरी पान जैसे तमाम फ्लेवर वाले पान मिलते हैं। पान की इतनी सारी वेराइटी लखनऊ में कहीं और नहीं मिलेगी। यहां सबसे सस्ता पान है आधा मीठा पान। इसकी कीमत 20 रुपये है।

संजय कुमार ने बताया कि वो अपने यहां किसी भी प्रकार का नशीला पान नहीं रखते हैं। उनके यहां के पान में ड्राई फ्रूट्स के साथ सोना-चांदी, केसर और कुछ उनके अपने सीक्रेट ड्राई फ्रूट होते हैं। इनको मिला कर वो इसे बनाते हैं। सभी पान पाचन क्रिया से लेकर सेहत को दुरुस्त बनाने में फायदेमंद है। अगर आप भी राष्ट्रीय पान दरबार के पान का स्वाद लेना चाहते हैं या गोल्ड पान देखना चाहते हैं तो पहुंच जाइए आलमबाग के आशियाना चौराहे के पास, जहां आपको यह दुकान मिल जाएगी।

200 साल पुराने फार्महाउस में मिला तहखाना, अंदर कोई खजाना नहीं

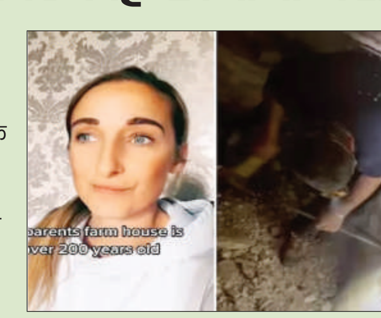

कई बार ऐसा होता है कि हम कुछ चीजों की उम्मीद नहीं करते हैं लेकिन वो हमें मिल जाती हैं। कुछ ऐसा ही हुआ एक महिला के साथ, जिसे अपने माता-पिता के फार्म हाउस में एक 200 साल पुराना तहखाना मिल गया। उसे बचपन से अब तक इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी, ऐसे में महिला उसे देखकर काफी उत्साहित हो गई। ये घटना जेनिफर मल्लाघन नाम की महिला के साथ हुई, जिसका वीडियो उसने टिकटॉक पर शेयर किया था। उन्होंने वीडियो में बताया है कि उनके माता-पिता 60 साल तक जिस घर में रहते रहे, उसके नीचे बने तहखाने के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी। जब उन्होंने फर्शबोर्ड के नीचे तहखाने का रास्ता देखा तो वे जानने के लिए एक्साइटेड हो गईं कि अंदर कोई खज़ाना है या कुछ। 44 सेकंड के अपने वीडियो में जेनिफर ने बताया है उनके फार्म हाउस को बने हुए 200 साल हो चुके हैं और उनका परिवार 60 साल तक यहां रहा लेकिन किसी को इसके बारे में नहीं पता था। जब उन्होंने ये देखा तो इसका कंपार्टमेंट खोलने की कोशिश की। उन्हें लगा था कि अंदर खजाना होगा लेकिन वहां घुसते वक्त काफी अंधेरा था। खज़ाना तो छोड़िए अंदर कोई सामान भी नहीं था। उन्हें ये काफी डरावना भी लग रहा था। ऐसे में किसी यूज़र ने जब पूछा कि वो कमरे को रेनोवेट कराना चाहेंगी तो उसने जवाब दिया कि वो ऐसा बिल्कुल नहीं करेगी। ऐसा नहीं है कि इस तरह का ये कोई पहला मामला हो। सोशल मीडिया पर लोग अपने घर के छिपे हुए कमरे के बारे में दिलचस्प कहानियां बताते रहते हैं। एक महिला ने रेडिट पर बताया था कि उसे घर की एक कैबिनेट के पीछे पूरा कमरा दिखा था। यहां पर गद्दा, बीयर के डिब्बे, ब्रश, टैम्पोन और 70-80 के दशक की कुछ चीज़ें मिली थीं। इसी तरह लोगों को कई बार बेसमेंट में पूरा का पूरा फ्लोर भी मिल चुका है, जिसे उन्होंने रेनोवेट करा लिया।

आदिवासियों के हितों की रक्षा को राज्यपाल आगे आएं : कमलनाथ

» दलितों से मारपीट के बाद गरमाई सियासत, सीधी-इंदौर के बाद सागर के दो वीडियो वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सागर। सीधी पेशाब कांड, इंदौर में आदिवासी की पिटाई के बाद अब सागर से भी दो दलित युवकों के साथ मारपीट के वीडियो वायरल हुए हैं। मध्य प्रदेश के एक के बाद एक दलितों के साथ मारपीट के वीडियो सामने आने के बाद सियासत भी गरमा गई है।

पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोमवार को कांग्रेस विधायकों के साथ राज्यपाल मंगूभाई पटेल से मुलाकात की। कमलनाथ ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि प्रदेश में आदिवासियों पर अत्याचार के रोज नए मामले सामने आ रहे हैं। राज्यपाल खुद भी आदिवासी वर्ग से आते हैं, आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए उन्हें खुद आगे आना होगा। सीधी, इंदौर और सागर के मामलों की जांच कराने की मांग भी की है।

सागर में निर्वस्त्र कर दलित को पीटा

सागर जिले से एक वीडियो सामने आया था, जिसमें एक युवक को करीब पांच से छह लोग कमरे में बंधक बनाकर निर्वस्त्र कर उसके साथ डंडे से मारपीट कर रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने पीड़ित की तो पहचान कर ली, लेकिन अब तक आरोपियों की तलाश नहीं कर पाई। वीडियो में देखा जा रहा था कि लोग युवक को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीट रहे है, उसे अंडरवियर भी नहीं पहनने दे रहे। वायरल वीडियो सितंबर 2022 का बताया जा रहा है। वहीं, पुलिस ने पीड़ित से पूछताछ कर रही है।

सड़क पर युवक से मारपीट

सागर जिले में मारपीट के हिंसक वायरल वीडियो का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। दूसरे वीडियो में दो लड़के, एक लड़के पर लाठियां भांज रहे हैं। इस मामले में गोपालगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। थानाप्रभारी राकेश शर्मा ने बताया कि वीडियो आवासीय कॉलोनी का है। इस 18 वर्षीय युवक ने बताया कि उसके साथ दो युवकों ने रास्ते से निकलने को लेकर विवाद किया है।

भाजपा को राजस्थान विस चुनाव में सता रहा है हार का डर : चंद्रभान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान सरकार में 20 सूत्रीय कार्यक्रम के उपाध्यक्ष डॉ चंद्रभान सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया कि कर्नाटक और हिमाचल के चुनाव की हार के बाद भाजपा विचलित हो चुकी है और यही वजह है कि राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी हार का डर भाजपा को सता रहा है।

भारतीय जनता पार्टी की हार के डर से भाजपा के राष्ट्रीय नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजस्थान में चुनावी मैदान में कूदना पड़ा है, जब उनसे पूछा गया की राजस्थान में किसके चेहरे पर चुनाव लड़ा जायेगा अशोक गहलोत या सचिन पायलट तो उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव कांग्रेश की जन कल्याणकारी योजनाओं सभी को साथ मिलकर लड़ा जाएगा। लेकिन भाजपा राजस्थान में सीएम चेहरा घोषित करने में गफलत में पड़ी हुई है आगामी चुनाव में उनकी हार तय है। अपनी सरकार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कुर्सी को लेकर तनातनी पर बोले डॉ चंद्रभान कांग्रेस पार्टी आगामी चुनावों में सभी नेताओं को मिलकर चुनाव लड़ेगी. विधायक दल की बैठक में ही मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित होगा कांग्रेस पार्टी सभी धर्मों का जातियों को साथ लेकर चलती है. और आगामी चुनाव में कांग्रेसी सरकार रिपीट करेगी बीसूका उपाध्यक्ष चंद्रभान ने कहा की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जन कल्याण योजना विकास के आधार पर आगामी चुनाव में सरकार चुनाव लड़ेगी। सरकार ने जनता को बड़ी राहत देने का काम किया है, चाहे वह चिरंजीवी योजना में फ्री इलाज 100 यूनिट बिजली की उज्जवला योजना के तहत 500 का सिलेंडर देना अनेक जन कल्याणकारी योजना पर सरकार चुनाव लड़ेगी और रिपीट करेगी।

सुर्खियों पर भरोसा ठीक नहीं : जयराम

फॉक्सकॉन के फैसले पर कांग्रेस का भाजपा पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फॉक्सकॉन के बाहर निकलने के फैसले के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि चाहे गुजरात मॉडल हो या न्यू इंडिया कभी भी बनाई गई सुर्खियों पर भरोसा नहीं करना चहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए कहा कि परियोजना की घोषणा के समय का प्रचार याद है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दावा किया था कि एक लाख नौकरियां पैदा की जाएंगी।

वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित कई एमओयू का यही हश्र हुआ है। जयराम ने अगले ट्वीट में कहा कि फॉक्सकॉन-वेदांता बंद है। माइक्रोन अभी भी सेमीकंडक्टर चिप असेंबली, पैकेजिंग और परीक्षण के लिए चालू है। रमेश का कहना है कि 2.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर में से केवल 30 प्रतिशत ही माइक्रोन दे रही है। बाकी 50 प्रतिशत केंद्र तो 20 प्रतिशत गुजरात सरकार दे रही है। यह काफी बड़ी सब्सिडी होती है।

मेक इन इंडिया अभियान को समर्थन जारी रहेगा : फॉक्सकॉन

एक साल से अधिक समय से होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) और वेदांता ने भारत में समीकंडक्टर निर्माण के विचार को वास्तविकता में लाने के लिए कड़ी मेहनत की है। यह एक उपयोगी अनुभव रहा है जो दोनों कंपनियों को आगे बढ़ने में मजबूती प्रदान करेगा। कंपनी की ओर से कहा गया, फॉक्सकॉन भारत में सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विकास की संभावनाओं से आश्वस्त है। हम सरकार के मेक इन इंडिया अभियान का मजबूती से समर्थन करना जारी रखेंगे और हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विविध स्थानीय साझेदारों के साथ काम करते रहेंगे।

जल प्रलय से देशभर में हाहाकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश मानसून की बारिश ने तबाही मचाई है। उत्तर भारत के कई इलाकेपानी में डूबे गए हैं। वर्षा की वजह से सैकड़ों लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। दिल्ली में यमुना खतरे के निशान पर पहुंच चुकी है। देशभर में बाढ़-बारिश का कहर जारी है। देश के 17 राज्यों के 174 जिले में बाढ़ और बारिश की वजह से 546 मौतों की खबर सामने आई है।

आंकड़ों के मुताबिक, तमाम घटनाओं में 477 लोग घायल हुए है, 8764 घर बर्बाद, 8418 पशुओं की मौत और 50 हजार हेक्टेयर फसल बर्बाद होने की जानकारी मिली है।

उत्तराखंड में भूस्खलन की वजह से एक दुर्घटना होने की जानकारी सामने आ रही है. सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर ट्वीट करते हुए कहा कि उत्तरकाशी-गंगोत्री राजमार्ग पर मलबे की चपेट में आने से 3 वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिस कारण वाहन में सवार चार लोगों के हताहत एवं कुछ लोगों के घायल होने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। जिला प्रशासन व एसडीआरएफ द्वारा राहत एवं बचाव कार्य जारी है और घायलों को समुचित उपचार प्रदान किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में सिक्स माइल एरिया में लैंडस्लाइड की वजह से चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाइवे को बंद कर दिया गया है।

546 से ज्यादा जिंदगियां काल के गाल में समाई

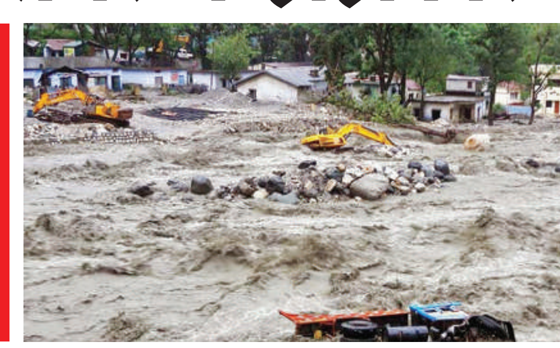

यूपी में जारी रहेगी जोरदार बरसात

मौसम वैज्ञानिक भी लगातार मानसून की रफ्तार पर नजर रखे हुए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि 13 जुलाई तक मानसून के अनुकूल परिस्थितियां काफी तेजी से सक्रिय हैं, इसके कारण बरसात अच्छी हो रही है। फिलहाल यही स्थिति बनी रहेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, 40.8 मिमी बरसात बरेली में दर्ज हुई। मेरठ में 23 मिमी, लखनऊ में 23.4, गोरखपुर में 28.3, मुरादाबाद में 15.2 चुर्क में 13.8 मिमी बरसात हुई। प्रदेश के कई इलाकों में अच्छी बरसात रिकार्ड की गई। हालांकि वाराणसी, बांदा, झांसी, नजीबाबाद समेत कई इलाकों में बारिश रिकार्ड नहीं हुई। लखनऊ शहर में सोमवार को कहीं आधे घंटे तक झमाझम बारिश हुई तो कुछ ऐसे भी इलाके रहे जहां सिर्फ बूंदाबांदी या छिटपुट बारिश हुई। लखनऊ में 23.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई। सुबह से ही बादल छाए रहे। दोपहर में कुछ वक्त तेज धूप निकली, लेकिन बादलों के आगे टिक न सकी। उमस का असर बना हुआ है। उत्तर पूर्वी राजस्थान में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण मानसून एक्सप्रेस की रफ्तार बहुत तेज है। मंगलवार को भी रफ्तार बनी रहने के आसार हैं।

पैरा निशानेबाज रुद्रांश ने लगाया सोने पर निशाना

» विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ओसियेक। भारत के पैरा निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल और निहाल सिंह ने विश्व निशानेबाजी पैरा खेल (डब्ल्यूएसपीएस) विश्व कप में पी4 मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 वर्ग में क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीता। सोलह वर्षीय रुद्रांश ने इस प्रतियोगिता में फाइनल में 231.1 अंक बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया जबकि निहाल 222.2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

रुद्रांश ने खेल रत्न विजेता मनीष नारवाल का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने तोक्यो पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। निहाल क्वालिफिकेशन दौर में 536 अंक बनाकर शीर्ष पर रहे थे जबकि रुद्रांश 529 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर थे। इन दोनों के अलावा भारत के दो अन्य निशानेबाज फ्रांसिस रुबीना और राहुल जाखड़ भी आठ खिलाड़ियों के फाइनल में पहुंचे थे। रुबीना 158.5 अंक लेकर पांचवें जबकि जाखड़ 142 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। इस बीच आर3 मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1 स्पर्धा में तोक्यो ओलंपिक में भारत की पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखारा 168 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं।

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी विंबलडन के अगले दौर में

जोहानस मंडे और जैकब फर्नले की ब्रिटिश जोड़ी को हराकर विम्बलडन के पुरुष युगल के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने कोर्ट तीन पर दूसरे दौर के मैच में मंडे और फर्नले को 7-5, 6-3 से हराया। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने कोर्ट तीन पर दूसरे दौर के मैच में मंडे और फर्नले को 7-5, 6-3 से हराया। बोपन्ना और एब्डेन की अगली भिड़ंत रीज स्टैल्डर और डेविड पेल से होगी। अमेरिकी-डच जोड़ी ने रविवार को निकोलस महुत और लॉयड ग्लासपूल को 4-6, 6-3, 7-6 (10-7) से हराया था।

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम फैसला, 2 अगस्त से रोज होगी सुनवाई

शीर्ष अदालत ने सभी पक्षों से 27 जुलाई तक मांगे जवाब

» सीजेआई बोले, बाद में बदलाव की नहीं होगी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर करीब 23 याचिकाएं दाखिल की गई हैं। इसी मामले में आज सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सभी पक्षकारों को 27 जुलाई तक अपने जवाब दाखिल करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ का कहना है कि याचिकाओं की सुनवाई सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर रोजाना आधार पर होगी। वहीं, कोर्ट ने सुनवाई को आसान बनाने के लिए दो अधिवक्ताओं को नोडल वकील के रूप में भी नियुक्त किया है।

वहीं, दूसरी ओर आईएएस अधिकारी शाह फैसल और कार्यकर्ता शेहला रशीद ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ दी गई अपनी याचिकाओं को रद करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वह इस मामले से हटना चाहते हैं। अदालत के रिकॉर्ड से अपना नाम हटाना चाहते हैं। अदालत ने याचिकाकर्ता के रूप में उनके नाम हटाने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

अदालत ने कहा कि 27 जुलाई तक सभी पक्ष इस मामले में अपना जवाब दाखिल करा दें, उसके बाद कोई बदलाव कराने की अनुमति नहीं होगी। इसके बाद दो अगस्त को अगली सुनवाई की जाएगी। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान केंद्र के नए हलफनामे पर विचार करने से भी इनकार कर दिया।

न्याय की उम्मीद : उमर

नेशनल कांफ्रेंस उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हम साल 2019 से इस दिन का इंतजार करते आए हैं क्योंकि हमें लगता है कि हमारा केस मजबूत है। हम सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद भी रखेंगे और गुजारिश करेंगे कि इसमें जल्द से जल्द सुनवाई हो। उन्होंने आगे कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट से न्याय की उम्मीद करते हैं, जो नाइंसाफी जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ 5 अगस्त 2019 को हुई, जो धोखा हुआ, कानून का धज्जियां उड़ाई गई उसका जवाब सुप्रीम कोर्ट से मिले।

केंद्र के हलफनामे को पीठ ने नकारा

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने मंगलवार हुई सुनवाई में केंद्र के नए हलफनामे पर विचार करने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में अभूतपूर्व स्थिरता का दौर है। तीन दशकों की उथल-पुथल के बाद क्षेत्र में जीवन सामान्य हो गया है। राज्य में लगातार प्रगति हो रही है। तीन वर्षों में स्कूल, कॉलेज और अन्य सार्वजनिक संस्थान कुशलता से काम कर रहे हैं। पत्थरबाजी अतीत की बात हो गई है। अब घाटी के लोगों को भी वह अधिकार प्राप्त हैं, जो देश के दूसरे प्रांतों के लोगों को हैं। आतंकवादी-अलगाववादी एजेंडे के तहत 2018 में पत्थर फेंकने की 1,767 घटनाएं हुईं, जो 370 हटने के बाद 2023 में मौजूदा तारीख तक शून्य हैं। गृह मंत्रालय ने पांच अगस्त, 2019 के फैसले के बाद जम्मू-कश्मीर में आए बदलावों पर शीर्ष कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था। इसमें कहा गया था कि हड़ताल, पथराव व बंदी की प्रथा अब अतीत की बात है। पथराव की कोई घटना नहीं हुई है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम और अनुसूचित जाति व जनजाति को आरक्षण देने वाले केंद्रीय कानून भी लागू हैं। केंद्र का जवाब अनुच्छेद 370 निरस्त करने के फैसले को चुनौती देने वाली 20 से अधिक याचिकाओं पर आया है।

बस-कार में भीषण टक्कर, एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में नेशनल हाईवे पर बस और कार के बीच हुई टक्कर में मेरठ के एक परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। एक साथ परिवार के छह लोगों की मौत होने से गांव में मातम पसर गया है। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे पर दुख जताया है। बताया गया कि नरेंद्र यादव के परिवार के छह लोगों की मौत से इंचौली के धनपुर गांव में मातम पसरा हुआ है। पूरा परिवार खाटू श्याम के दर्शन के लिए निकला था। घर पर कोई नहीं है।

पूरे गांव में पसरा मातम

गाजियाबाद में ट्रैफिक एडिशनल सीपी आरके कुशवाहा के मुताबिक, मंगलवार सुबह करीब छह बजे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर एक स्कूल बस और कार के बीच एक्सीडेंट हुआ। बस गलत लेन में आ रही थी। गलती बस चालक की है। बस ड्राइवर को पकड़ लिया गया है। बता दें कि मेरठ के इंचौली क्षेत्र के धनपुर गांव के रहने वाले नरेंद्र यादव और उनके भाई

धर्मेंद्र यादव परिवार के सदस्यों के साथ मंगलवार सुबह खाटू श्याम के दर्शन के लिए जा रहे थे। एक्सप्रेस-वे पर रॉन्ग साइड से हाई स्कूल बस ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी, जिसमें परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। बताया गया कि घर पर सबसे बड़े बेटे जितेंद्र की पत्नी और पिता जयपाल मौजूद हैं, उन्हें अभी घटना की जानकारी नहीं हैं। मृतकों के नाम : नरेंद्र यादव (45), नरेंद्र की पत्नी अनीता (42), धर्मेंद्र की पत्नी बबिता (38), नरेंद्र का बेटा हिमांशु (12), नरेंद्र का बेटा करकित (15), धर्मेंद्र की बेटी वंशिका (7), घायलों के नाम: नरेंद्र का भाई धर्मेंद्र यादव (42), धर्मेंद्र का बेटा आर्यन (8)।

यूपी कैबिनेट का फैसला

एनटीपीसी के सुपर अल्ट्राप्लांट को मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार की कैबिनेट बैठक लोक भवन में हुई। इसमें 17 प्रस्ताव पर सहमति बनी। कैबिनेट से बिजली की किल्लत दूर करने वाला प्रस्ताव भी पास हुआ। एनटीपीसी को ओबरा में 800 मेगा वॉट के दो प्लांट लगाने की मंजूरी मिली है। जिसका नाम ओबरा डी होगा।

जो कि 500 एकड़ में बनेगा। यूपी सरकार और एनटीपीसी का 50-50 प्रतिशत होगा। रामपुर जिले में रामपुर, शाहबाद, बाजपुर मार्ग पर सड़कों की लम्बाई और चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। साथ ही, सुंदरीकरण के प्रस्ताव पर मोहर लगी है। ये रामपुर शाहबाद स्वार से होते हुए उत्तराखंड के जिम कार्बेट तक जानी है। मां विंध्यवासिनी जी के कॉरिडोर के रास्ते का चौड़ीकरण के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

फोटो : 4पीएम

सदस्यता प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर समाजवादी पार्टी से आये नवाब अली अकबर को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम।

सोलुखुंबु से काठमांडू जा रहा हेलीकॉप्टर क्रैश, पांच की मौत

» पायलट समेत छह लोग थे सवार, इनमें पांच विदेशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काठमांडू। बताया गया है कि सुबह करीब 10 बजे इस हेलीकॉप्टर का संपर्क कंट्रोल टॉवर से टूट गया। इसके बाद से ही चॉपर की कोई जानकारी नहीं मिली है। नेपाल के सोलुखुभु से काठमांडू जा रहा एक हेलीकॉप्टर लापता हो गया। इसमें छह लोगों के सवार होने की सूचना है।

बताया गया है कि सुबह करीब 10 बजे इस हेलीकॉप्टर का संपर्क कंट्रोल टॉवर से टूट गया। इसके बाद से ही चॉपर की कोई जानकारी नहीं मिली है। अधिकारियों के मुताबिक, मनांग एयर का हेलीकॉप्टर माउंट एवरेस्ट के करीब लापता हुआ है। त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के महाप्रबंधक प्रताप भानु तिवारी ने कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के 15 मिनट बाद ही संपर्क से बाहर हो गया।

बाढ़ पर राज्यों की मदद करे केंद्र सरकार : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश के कई राज्यों में बाढ़ व भारी बारिश से हालात बेकाबू हो गए हैं। ऐसे में केंद्र सरकार सिर्फ आकलन करने और बैठकों के दौर से आगे बढ़कर राज्यों की मदद करे। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि यूपी सहित देश के अधिकतर राज्यों में भारी बारिश व बाढ़ के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित है। काफी जान-माल व पशुधन की हानि हुई है।

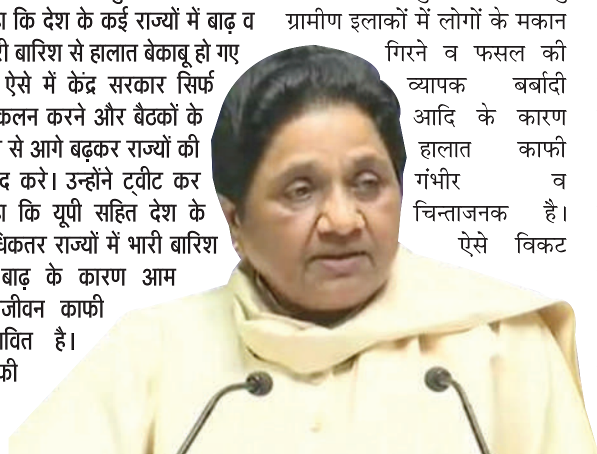

शहरों का बुरा हाल है किन्तु ग्रामीण इलाकों में लोगों के मकान गिरने व फसल की व्यापक बर्बादी आदि के कारण हालात काफी गंभीर व चिन्ताजनक है। ऐसे विकट हालात में सभी संबंधित राज्य सरकारें पीड़ितों हर प्रकार से मदद के लिए पूरी ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेवारी को निभाएं। केन्द्र की सरकार को भी आकलनों व बैठकों आदि से आगे बढ़कर राज्यों की मदद के लिए तत्काल आगे आना जरूरी है। यह बसपा की मांग है। उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ और जलभराव से राहत के लिए अफसरों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सोमवार को अफसरों के साथ प्रदेश में अतिवृष्टि व बाढ़ से बचाव के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।